रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

मार्केट रिक्वायरमेंट के अकॉर्डिंग स्किल बेस्ड एवं इंप्रूव्ड साइकोलॉजी से आज यूथ कार्य कर रहा है–मुख्य अतिथि डॉ इलैयाराजा टी.

गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं कौशल विकास ही है सफलता का मंत्र–कुलपति प्रो. मिश्र

कौशल विकास विभाग में त्रिदिवसीय 11वें निःशुल्क रोजगार मेले का समापन

जबलपुर 31 अगस्त। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि **डॉ. इलैयाराजा टी., कलेक्टर, जबलपुर** ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों को इंडस्ट्रीज एवं मार्केट की आवश्यकताओं एवं भविष्य की चुनौतियों के अनुसार के अनुसार स्वयं को तैयार करना होगा। वि.वि. की ओर से विद्यार्थियों के एकेडमिक उन्नयन, एटीट्यूड डेवलपमेंट, साइकोमैट्रिक इवेल्यूएशन एवं काउंसलिंग सपोर्ट देकर एवं ओवरऑल डेवलपमेंट को ध्यान में रखकर तैयार किया जाना काफी अच्छा एकेडमिक प्रयास हैं।

विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास ही सफलता का मंत्र है और इसे उपलब्ध कराने के लिए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय कृत संकल्पित है। विश्वविद्यालय में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षा प्रदान कर नवाचारों के माध्यम से युवाओं को उनकी क्षमताओं के अनुरूप विकसित करना एवं प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार/स्वरोजगार प्रदान करना ही विश्वविद्यालय का लक्ष्य है। उपरोक्त प्रेरक उद्गार माननीय **कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र** ने विवि कैरियर गाइडेंस, काउंसलिंग, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय 11वें निःशुल्क रोजगार मेले के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

विवि कौशल विकास विभाग, विज्ञान भवन में विवि कैरियर गाइडेंस, काउंसिलिंग, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय 11वें निःशुल्क रोजगार मेले का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आयोजन संयोजक एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ प्रभारी **प्रो. सुरेन्द्र सिंह** ने बताया कि मेले में 1500 रजिस्टर्ड प्रतिभागी षामिल हुए एवं इसमें देश–विदेश की 22 कंपनियां की सहभागिता रही। इसमें

इंटरव्यू/सीवी के द्वारा प्रथम राउंड की रिक्रूटमेंट प्रोसेस का आयोजन हुआ। फाइनल सिलेक्शन द्वितीय राउंड के बाद कर दिए जाऐंगे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीनल दुबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अजय मिश्रा ने किया।

कंपनी प्रतिनिधियों का सम्मान –

समापन कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा जॉब फेयर में आये कंपनी प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। इनमें मुख्य रुप से आई.टी, बी.पी.ओ., बैक ऑफिस जॉब, बैकिंग, फाइनांस, लाइफ इंश्योरेंस, ओवरसीस, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, ऑफिस मेनेजमेंट, मार्केटिंग सेक्टर आदि विभिन्न सेक्टर से कंपनियों ने रिक्रूअमेंट प्रोसेस– प्रथम राउंड में सी.वी./रिज्यूम, इंटरव्यू द्वारा किया गया।

30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण का सर्टिफिकेट वितरण समापन कार्यक्रम में कौशल विकास के तहत 30 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण उपरांत सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में हितकारिणी महिला महाविद्यालय से डॉ नीलेश पाण्डेय, प्रो संजय राठौर, प्रो. पूजा मिश्रा, श्री गुरु, डॉ ए.एन. सिंह, श्री अशोक मिश्रा, डॉ. एस.पी त्रिपाठी, डॉ मोहम्मद जावेद, डॉ शैलैष प्रसाद, इं महावीर त्रिपाठी, डॉ आशारानी, डॉ तरुणा राठौर, डॉ सजीव श्रीवास्तव, डॉ प्रमोद पाण्डेय, डॉ. सरिता यादव, डॉ. अखिलेश मिश्रा, डॉ मोहनिका गजभिए, डॉ अर्पण शुक्ला, डॉ अनुज प्रताप सिंह, डॉ सुनील, सम्राट बोस, सुश्री प्रियंका सिंह, श्री नंद कुमार यादव, सविता पठारिया, आशुतोष सिंह, सोनपाल सिंह, अभिषेक वरकड़े, सागर शिवहरे, शिखा पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

कुल शामिल कंपनियां– 22
कुल रजिस्टर्ड प्रतिभागी – 1500
कुल अभी तक प्राप्त चयनित एवं शॉर्टलिस्टेड प्रतिभागी – 238

चयन प्रक्रिया अभी भी जारी है सभी कंपनियों के चयन सूची मॉनीटरिंग के उपरांत जारी की जाएगी।

.....

विवि बायोडिजाइन इनोवेशन सेंटर एवं इनक्यूबेशन सेंटर के प्रयासों को भी मिली सराहना

जबलपुर 31 अगस्त। माननीय कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी. द्वारा माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की उपस्थिति में आज विश्वविद्यालय के बायोडिजाइन इनोवेशन सेंटर एवं इनक्यूबेशन सेंटर में बनाए गए इनोवेटिव प्रोडक्ट्स जैसे सब्जियों के स्टार्च से बने बायोप्लास्टिक, पौधों से बिजली का उत्पादन (plant microbial fuel cell), मशरूम और भूसा से बना पैकेजिंग मैटेरियल (Eco-cradel), मशरूम पेपर, स्टोन पेपर वेट, नर्मदा नदी में विसर्जित हुए फूलों से हर्बल धूपबत्ती, हर्बल साबुन, मिनी सेंट्रीफ्यूज, बायोपेस्टिसाइड का निरीक्षण भी किया गया। उन्होंने सभी इनोवेटिव प्रोडक्ट्स की सराहना की।

इस अवसर पर बायोडिजाइन इनोवेशन सेंटर के डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अतीत जावरे, शोध छात्र मनोज कुमार मरावी, हेमंत कुमार चंद्रवंशी, अभिजीत गर्ग तथा इनक्यूबेशन सेंटर से आकृति द्विवेदी, सुरभि सिंह एवं अक्षता दहाके ने इनोवेटिव प्रोडक्ट्स की जानकारी प्रदान की।